श्री जवाहरलाल नेहरू : चार बरस हुये, जब कि तेहरान में वह वाकया हुआ था। वह यहां लाये गये। मुझे तफसील याद नहीं है, लेकिन गालिबन उस वक्त उन्होंने सफाई पेश की और माफी मांगी। यह समझा गया कि वह छोटे ओहदे पर हैं और उनको मौका दिया गया। लेकिन यह जाहिर है कि उन को मौका देने का कोई खास फायदा नहीं हुआ।

श्री स० मो० बनर्जी : प्रधान मंत्री जी ने फरमाया कि उस शख्स के दिमाग में फितूर था। मैं यह जानना चाहता हूं कि आखिर उस को अपनी नौकरी से हटाया क्यों गया था। क्या उस के खिलाफ कोई शिकायत थी? क्या ऐसा तो नहीं था कि वह हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहा था?

श्री जवाहरलाल नेहरू : मैंने अर्ज किया है कि वह जकार्ता में हमारी एम्बेसी में नहीं थे। वह सूराबाया में हमारे कान्सुलेट में काम करते थे। वहां से शिकायतें आईं कि काम वगैरह ठीक नहीं होता है। तफसील हमारे पास इस वक्त नहीं है—हम एकदम से नहीं ला सकें हैं, लेकिन मेरा ख्याल है कि शुरू नवम्बर में उनकी शिकायतें हमारे पास आई थीं। १० नवम्बर को एम्बेसेडर ने लिखा था। हमने कुछ दिन बाद उन को लिखा था कि उन को वापस कर दिया जाये और वह इस वक्त वापिस आ रहे थे।

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि डा० गोपाल को जो जानी नुक्सान हुआ है, उस का किस तरह से कम्पेनसेशन दिया जायेगा ?

श्री बड़े : पेपर में यह आया है कि उस व्यक्ति ने यह कह कर डा० गोपाल पर हमला किया कि "यू आर एन्टी-कम्यूनिस्ट" और यह कि बिहारी लाल पहले से प्रो-कम्यूनिस्ट था और जकार्ता से उस के बारे में रिपोर्ट आ गई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या ये बातें सच हैं।

श्री जवाहरलाल नेहरू : तेहरान में ऐसा कोई सवाल नहीं था। तेहरान में उन्होंने श्री तयबजी पर हमला किया था, लेकिन वहां तो यह सवाल नहीं उठता था।

श्री बड़े : मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या प्रेस में छपी ये बातें सच हैं कि ऐरोप्लेन में बिहारी लाल ने डा० गोपाल पर यह कह कर हमला किया कि तुम एन्टी-कम्यूनिस्ट हो और वह खुद प्रो-कम्यूनिस्ट था।

Shri Jawaharlal Nehru: We do not have the exact details about the conversation. It is quite possible that he might have said something like that.

Shri Hem Barua: It seems that this Bihari Lal is not of a regular goonda type. Is it a fact that he was engaged in transmitting certain confidential matters to the Chinese? That is the impression one gets for he used the words "you are unfriendly to China" and that sort of thing.

Shri Jawaharlal Nehru: That is a matter in which certainly a full inquiry should be made. The hon. Member may remember what I have said. He was not in our Embassy; he was in our Consulate in Sourabaya and the Consulate work normally does not consist of much confidential matter. Anyhow, that matter should be enquired into.

12.19 hrs.

PRESIDENT'S ASSENT TO BILLS

Secretary: Sir, I lay on the Table following two Bills passed by the Houses of Parliament during the current Session and assented to by the President since a report was last made to the House on the 8th November, 1962:

(1) The Appropriation (Railways) No. 5 Bill, 1962.

(2) The Appropriation (No. 5) Bill, 1962.